www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 24 | जौनपुर, बुधवार, 09 सितम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अब 70 वर्ष तक सेवा देंगे सरकारी डॉक्टर, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का बड़ा ऐलान

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने ऐलान किया है कि अब चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में डॉक्टरों की सेवा की उम्र सीमा बढ़ाकर 70 साल कर दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला डॉक्टरों के लंबे अनुभव का लाभ जनता को देने के लिए लिया गया है। सरकारी नीतियां पढ़ें डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बातचीत के दौरान इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, ष्उत्तर प्रदेश के चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाले डॉक्टरों की रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाकर 70 साल कर दी गई है। इसका मतलब है कि डॉक्टर 70 साल की उम्र तक सरकारी अस्पतालों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे।ष्पाठक ने कहा, ष्हमने यह फैसला जनहित में लिया है ताकि मरीजों को सीनियर और स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के अनुभव का फायदा मिल सके। मैं उन सभी डॉक्टरों और उत्तर प्रदेश की जनता को बधाई देता हूं जिन्हें इस फैसले से फायदा होगा।ष बता दें कि वर्तमान व्यवस्था के तहत प्रदेश में सरकारी डॉक्टर 65 साल की उम्र तक ही सेवा दे सकते थे लेकिन प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर्स (सीएचसी) और प्राइमरी हेल्थ सेंटर्स (पीएचसी) में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

14 जिलों में नदियां उफान पर, 40 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

पटना, (एजेंसी)। नौ सितंबर बिहार में पिछले चार–पांच दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार राज्य में 40.21 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि लगातार बारिश के कारण नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं। नेपाल में हुई भारी वर्षा के चलते भी कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों के लगभग 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। विभाग के ताजा बुलेटिन के मुताबिक, भागलपुर के सुल्तानगंज में बुधवार सुबह नौ बजे गंगा का जलस्तर 36.78 मीटर दर्ज किया गया, जो 17 अगस्त 2021 के 36.75 मीटर के पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर (एचएफएल) से अधिक है। हालांकि, जलस्तर फिलहाल स्थिर बना हुआ है। गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन, बागमती और घाघरा समेत कई नदियां विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

यूपीआई के बाद अब दुनिया के पेमेंट सिस्टम से जुड़ने का लक्ष्य - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की फिनटेक यात्रा अब एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। यूपीआई को भारत की फिनटेक सफलता का बड़ा चौंपियन बताते हुए उन्होंने कहा कि अब अगला लक्ष्य दुनिया के अलग–अलग देशों के पेमेंट सिस्टम को भारत के सिस्टम से जोड़ना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फिनटेक को केवल डिजिटल भुगतान तक सीमित न रखकर क्रेडिट, बीमा, बचत, निवेश और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं तक भी पहुंच बढ़ानी होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार शामिल होने को एक 'हैट्रिक' बताया। उन्होंने कहा कि यह हैट्रिक बताती है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक

क्षेत्र और इससे जुड़े लोगों का काम कितना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हर बार इस आयोजन में पहले से ज्यादा युवा, ऊर्जा और संभावनाएं दिखाई देती हैं। साथ ही जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ रही है और सपने ज्यादा बड़े और साहसिक हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि फिनटेक की ऊर्जा के बीच मुंबई में सांस्कृतिक ऊर्जा भी चरम पर है। महाराष्ट्र सहित पूरे देश में कुछ ही दिनों में गणेशोत्सव शुरू होने वाला है। उन्होंने गणपति बप्पा को नमन करते हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 में देश–विदेश से पहुंचे सभी मेहमानों और प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय संघर्ष और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऊर्जा और कमोडिटीज की सप्लाई चेन पर दबाव है और व्यापार को लेकर भी तनाव बना हुआ है। ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में अप्रैल से जून की तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8: की दर से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि भारत की यह तेज आर्थिक वृद्धि दुनिया को नया भरोसा देती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत पर बढ़ते वैश्विक भरोसे का एक और उदाहरण देश की सॉवरेन रेटिंग है।

रूस–यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश में भारत, दोनों देशों के संपर्क में दिल्ली – विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने रूस–यूक्रेन संघर्ष पर भारत के पुराने रुख को दोहराया है। मंत्रालय ने कि भारत का मानना है कि युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली इस युद्ध को खत्म करने के लिए मॉस्को और कीव दोनों के संपर्क में है और ऐसे सुझावों पर विचार कर रही है, जिससे संघर्ष को रोका जा सके।नई दिल्ली में द्वि–साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की हाल की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा का जिक्र किया, जहां उन्होंने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है और संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद करने के लिए भारत की तत्परता व्यक्त की थी। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच शांति में मध्यस्थता कर रहा है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,

ष्विदेश मंत्री ने हाल ही में यूक्रेन और पोलैंड का दौरा किया था। इन दोनों देशों में, अपनी बातचीत के दौरान, उन्होंने कहा कि भारत ने लगातार यह बनाए रखा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा।ष रणधीर जायसवाल ने कहा, ष्उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की इस टिप्पणी को भी रेखांकित किया कि अंतहीन युद्ध को अब युद्ध के अंत का रास्ता देना चाहिए। विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि यह संबंधित पक्षों पर निर्भर है कि वे कोई रास्ता निकालें, यदि भारत युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो वह इसके लिए तैयार है।

अमेरिकी स्कॉलर ने आरएसएस को अलग–थलग करने के खिलाफ चेतावनी दी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में राजनीतिक नेताओं और एडवोकेसी ग्रुप्स द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अलग–थलग करने का अभियान अमेरिकी हितों को नुकसान पहुंचा सकता है और अमेरिका–भारत संबंधों को मजबूत करने की कोशिश को कमजोर कर सकता है। यह बात अमेरिकी विदेश नीति के एक स्कॉलर ने कही है। हडसन इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो बिल ड्रेक्सेल ने श्वॉल स्ट्रीट जर्नलश के एक ओपिनियन आर्टिकल में यह तर्क दिया। यह आर्टिकल 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के लगभग 5,000 लोगों को संबोधित करने के बाद प्रकाशित हुआ था।इस कार्यक्रम को उत्सव के रूप में पेश किया गया था। बुकिंग रद्द करने की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने आरएसएस की हिंदू राष्ट्रवादी सोच को श्अलग करने वालीश

और इसके उभार को श्बेहद चिंताजनकश बताया। उन्होंने यह भी माना कि शहर का इस निजी कार्यक्रम पर कोई अधिकार नहीं था। आर्टिकल के अनुसार, यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) ने भागवत का वीजा रद्द करने की मांग की। टोरंटो में उनके अगले कार्यक्रम से पहले, लगभग 270 संगठनों ने कनाडाई सरकार से उन्हें रोकने और आरएसएस को आतंकवादी संगठन घोषित करने पर विचार करने का आग्रह किया।लंदन में भी समूहों ने मेयर सादिक खान से कहा कि वे अपनी यात्रा के दौरान भागवत को शहर के नियंत्रण वाले किसी भी स्थान पर कार्यक्रम करने की अनुमति न दें।

अरुणाचल प्रदेश, भारत का अभिन्न हिस्सा, पूर्वोत्तर देश के विकास का प्रमुख इंजन – उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज बुधवार को कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत की एकता का अभिन्न हिस्सा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट' नीति से मिली गति के कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र देश के विकास का प्रमुख इंजन बनकर उभर रहा है। यहां अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य भारत की सीमाओं का एक ''गौरवशाली प्रहरी'' है और इसका विकास देश की प्रगति से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि अरुणाचल प्रदेश सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य है और इसमें ''असीम संभावनाएं'' हैं। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि केंद्र सरकारों ने समय–समय पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को लगातार अधिक प्राथमिकता दी है। उन्होंने

याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय का गठन किया था। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'एक्ट ईस्ट' नीति और पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को 'अष्ट लक्ष्मी' बताना इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा कि इस वर्ष के केंद्रीय बजट में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के लिए 6,800 करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र पर केंद्र सरकार के निरंतर ध्यान को दर्शाता है। अरुणाचल प्रदेश के विकास पर प्रकाश डालते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि राज्य का करीब 79 प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र है। राज्य समृद्ध जैव विविधता, जंगलों, नदियों और पारिस्थितिक संसाधनों से संपन्न है, जो देश की पर्यावरणीय सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश देश में कीवी फल का सबसे बड़ा उत्पादक बनकर उभरा है और किसानों को एक लाख से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, ''राज्य की प्रति व्यक्ति आय दोगुने से अधिक हो गई है,।

नीले कपड़े पहनने से अंबेडकर का सम्मान नहीं होता, जनता सपा का चरित्र जानती है- भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अखिलेश यादव के नीले रंग के कपड़े लॉन्च करने, पीडीए की नई परिभाषा, एआई आधारित राजनीतिक कंटेंट, सहारनपुर में मस्जिद से जुड़ी कार्रवाई, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा–कांग्रेस के संभावित गठबंधन और राहुल गांधी के रायबरेली दौरे समेत कई मुद्दों पर विपक्ष को घेरा।सरकारी नीतियां पढ़ें अखिलेश यादव की ओर से कार्यकर्ताओं के लिए नीली टी–शर्ट और पैंट लॉन्च किए जाने पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि केवल नीले कपड़े पहनने से डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का सम्मान नहीं होता। समाजवादी पार्टी ने अपने शासनकाल में दलित महापुरुषों और उनके विचारों का सम्मान नहीं किया। सपा सरकार में

दलितों का उत्पीड़न हुआ और दलित महापुरुषों के नाम पर बने स्मारकों तथा संस्थाओं के नाम बदलने के प्रयास किए गए। चौधरी ने सपा के छात्र संगठन की कथित ड्रेस और सरकारी नियुक्तियों में कथित पक्षपात को लेकर भी आरोप लगाए और कहा कि प्रदेश की जनता सपा के राजनीतिक चरित्र को समझती है।अखिलेश यादव द्वारा पीडीए को श्प्रेम, दया और अपनापनश बताए जाने पर चौधरी ने कहा कि सपा प्रमुख लगातार इसकी परिभाषा बदल रहे हैं। सपा के शासनकाल में सत्ता और व्यवस्था एक परिवार तथा एक जाति तक सीमित रही। अखिलेश यादव के यूपी की अर्थव्यवस्था को लेकर सवाल उठाने पर चौधरी ने कहा कि सीएम योगी सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश देश की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून–व्यवस्था के क्षेत्रों में सुधार हुआ है। सपा सरकार के समय बिजली की उपलब्धता सीमित थी, जबकि अब किसानों और व्यापारियों को बेहतर व्यवस्था मिल रही है। पहले उत्तर प्रदेश से व्यापार और निवेश के पलायन की चर्चा होती थी, जबकि अब राज्य निवेश का प्रमुख केंद्र बन रहा है।वेलु ने कहा कि डीएमके सदस्यों ने श्जीरो आवरश के दौरान ये तीन मुद्दे उठाए।

मध्य प्रदेश में निवेश के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बी–आह समूह को आमंत्रित किया

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव इन दोनों संयुक्त अरब अमीरात के प्रवास पर हैं। इस दौरान शारजाह स्थित बी–आह मुख्यालय का दौरा किया। साथ ही समूह को मध्य प्रदेश में निवेश करने के लिए आमंत्रित भी किया। राज्य की ओर से जारी किए गए आधिकारिक बयान में बताया गया है कि मुख्यमंत्री यादव अपने प्रवास के तीसरे दिन बुधवार को बी–आह फैसेलिटी के ग्रुप सीईओ एवं वाइस–चेयरमैन खालिद अल हुरैमल के साथ एक उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक की।बैठक में पर्यावरण संरक्षण, स्मार्ट सिटी विकास, सर्कुलर इकोनॉमी और अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट समाधानों को मध्यप्रदेश में लागू करने को लेकर गहन विचार–विमर्श हुआ।इस दौरान मुख्यमंत्री यादव ने सभी प्रकार के इंडस्ट्रियल वेस्ट, सीवेज वेस्ट, वेस्ट रिप्रोसेसिंग और इनर्ट मटेरियल के डिस्पोजल संबंधी ट्रीटमेंट सेंटर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री यादव ने चर्चा के दौरान बी–आह ग्रुप को मध्यप्रदेश के नगर निगमों में म्युनिसिपल

सॉलिड वेस्ट तथा वेस्ट–टू–एनर्जी परियोजनाओं में निवेश और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप के लिए आमंत्रित किया।उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश स्वच्छ ऊर्जा और सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बीईईएएच की डिजिटल, एआई–सक्षम और सर्कुलर इकोनॉमी क्षमताएं मध्यप्रदेश के स्मार्ट सिटी विजन और क्लीन एनर्जी मिशन के बिल्कुल अनुकूल हैं। राज्य में ईवी–आधारित फ्लीट और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स के विस्तार में यह साझेदारी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

मुजफ्फरनगर में दंगा भड़काने वाले पोस्टर किसने लगाए, जांच हो – राकेश टिकैत

मुजफ्फरनगर, (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों की बरसी के आसपास लगाए गए विवादित पोस्टरों और सहारनपुर में मस्जिद से जुड़ी कार्रवाई को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सांप्रदायिक मुद्दों को फिर से चर्चा में लाया जा रहा है, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके।प्रवासी नेटवर्क जुड़ें मुजफ्फरनगर में 2013 के दंगों को 13 साल पूरे होने के बाद कुछ पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों पर दंगों से जुड़ी भावनाओं को उकसाने वाले संदेश लिखे होने का दावा किया गया है। टिकैत ने सवाल उठाया कि इन्हें किसने छपवाया और किसने लगाया। पूरे मामले की जांच होनी चाहिए और पोस्टर लगाने वालों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि इतनी संवेदनशील जगह पर पोस्टर लगाए गए और प्रशासन को जानकारी नहीं हुई तो इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इसके पीछे सरकार की मिलीभगत हो सकती है।पोस्टर लगाए जाने की मंशा पर टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार चाहती है कि 2013 के दंगों की याद फिर से ताजा हो और इसका राजनीतिक फायदा मिले। हालांकि उन्होंने दावा किया कि मुजफ्फरनगर की जनता अब ऐसे मुद्दों के बहकावे में नहीं आएगी। 2013 के दंगों के अनुभव से लोगों ने काफी कुछ सीखा है ।

शहर मे जर्जर इमारतें बनीं मौत का खतरा अयोध्या में कब जागेगा प्रशासन

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के विभिन्न मोहल्लों और कॉलोनियों में जर्जर मकान और प्रतिष्ठान किसी बड़े हादसे को दावत दे रहे हैं।शहर में जगह–जगह ऐसे भवन और दीवारें खड़ी हैं,जिनकी हालत देखकर ही खतरे का अंदाजा लगाया जा सकता है।इन जर्जर भवनों के सामने से प्रतिदिन राहगीरों,दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों के साथ बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों का भी आवागमन होता है।इसके बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारी और कर्मचारी इस गंभीर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई करते नजर नहीं आ रहे हैं।इस लापरवाही का भयावह उदाहरण है। यहां प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग 4 की जर्जर अवस्था में खड़ी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई।हादसे की चपेट में आने से एक बाइक मिस्त्री की मौत हो गई।घटना ने शहर में मौजूद अन्य जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।उस समय चाय की दुकान बंद थी,वरना मंजर और भयावह होता। हादसे के समय गनीमत रही कि दीवार के पास स्थित चाय की दुकान बंद थी।यदि दुकान खुली होती और वहां लोग चाय पी रहे होते तो हादसा कई लोगों की जान ले सकता था।ऐसे में यह घटना केवल एक व्यक्ति की मौत तक सीमित नहीं है,बल्कि प्रशासन के लिए आने वाले किसी बड़े हादसे की गंभीर चेतावनी भी है।शहर में कई ऐसे मकान और प्रतिष्ठान हैं, जो लंबे समय से जर्जर हालत में हैं।बरसात के दौरान कमजोर दीवारों और छतों के गिरने का खतरा और बढ़ जाता है।कई स्थानों पर इन भवनों के आसपास से दिनभर लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में किसी भी समय कोई दीवार या छत का हिस्सा गिरा तो उसकी

चपेट में राहगीर, वाहन चालक अथवा स्कूली बच्चे आ सकते हैं।सदर तहसील के सामने दीवार गिरने की घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन किसी और बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? जब एक जर्जर दीवार की चपेट में आकर एक व्यक्ति की जान जा चुकी है, तो शहर में मौजूद दूसरे जर्जर भवनों की जांच कब होगी?स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को शहर के सभी जर्जर और संभावित रूप से खतरनाक मकानों, दीवारों और प्रतिष्ठानों का तत्काल सर्वे कराना चाहिए। खतरनाक भवनों को चिह्नित कर वहां चेतावनी बोर्ड और सुरक्षा घेरा लगाया जाए तथा भवन मालिकों और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए तत्काल निर्देश दिए जाएं।जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी इस मामले में गंभीरता दिखानी होगी।क्योंकि किसी हादसे के बाद मुआवजा या कार्रवाई से उस परिवार की जिंदगी वापस नहीं लाई जा सकती, जिसने अपना सदस्य खो दिया।अब सवाल सिर्फ जर्जर भवनों का नहीं, बल्कि अयोध्या के हजारों राहगीरों की जिंदगी का है। प्रशासन को तय करना होगाकृखतरे को देखकर कार्रवाई होगी या अगली मौत का इंतजार किया जाएगा?

संपादकीय

कसौटी पर अभी मंजिल दूर

बैडमिंटन के बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। भारत को सिर्फ एक कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। देश ने राहत की सांस ली है। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में बैंडमिंटन विश्व चौंपियनशिप का आयोजन दोषमुक्त ढंग से हुआ। इस साल के आरंभ में उसी स्टेडियम में इंडिया ओपन बैडमिंटन चौंपियनशिप के आयोजन के दौरान बंदरों और कबूतरों की बार–बार घुसपैठ भारत की बदनामी की वजह बनी थी। काबिल–ए–तारीफ है कि आयोजकों ने उस अनुभव से सबक सीखा। नतीजतन, जिस समय दुनिया का ध्यान भारत पर टिका था, कोई ऐसी बात नहीं हुई, जो देशवासियों के लिए असहजता का कारण बनती। जहां तक खेल का संबंध है, भारत ने 2011 से लगातार कोई ना कोई मेडल जीतने का सिलसिला बरकरार रखा, लेकिन कुल प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी फीका रहा। अपना माहौल होने के बावजूद भारत को सिर्फ ट्रेसी जॉली और गायत्री गोपीचंद के महिला डबल्स में जीते कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। दरअसल, दिल्ली में जाहिर यह हुआ कि बैडमिंटन जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी खेल में किसी देश के लिए वर्चस्व बनाए रखना आसान नहीं है। पुरुष सिंगल्स में टॉप 5 सीड वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल से पहले ही बाहर हो गए। उधर बैटमिंटन की महाशक्ति जापान कोई स्वर्ण पदक नहीं जीत सका। एक अन्य महाशक्ति चीन को सिर्फ एक स्वर्ण पदक से संतोष करना पड़ा। कुल पांच श्रेणी में हुए मुकाबलों में इंडोनेशिया किसी फाइनल में जगह नहीं बना सका। स्कैंडेनेवियन देशों– खासकर डेनमार्क की नाकामियां भी ध्यान खींचती रहीं। जबकि नई महाशक्ति के रूप में फ्रांस का उदय हुआ, जिसने पुलिस सिंगल्स और मिस्क्ड डबल्स के स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का संदेश है कि बैडमिंटन जैसे वैश्विक प्रतिस्पर्धा वाले खेल में अपनी हैसियत बनाए रखने के लिए नई प्रतिभाओं के निरंतर उदय की उर्वर जमीन अनिवार्य है। इस सदी में भारत का इस खेल में एक ताकत बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। बड़े टूर्नामेंट्स में भारत की मजबूत उपस्थिति है, यह इस बार भी जाहिर हुआ। लेकिन सर्वोच्च सफलताओं की कसौटी पर अभी मंजिल दूर है। प्रतिभाओं की खोज, खिलाड़ियों के लगन, प्रायोजकों की मदद, और खेल के उचित माहौल के तालमेल से ही यह दूरी तय की जा सकेगी।

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन

रमेश

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत–बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं। इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा–दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच–पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20–22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला–धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई। हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय–समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर–दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है। हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी–बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

भारत की हां और बदला दुनिया का नक्शा, लेकिन शर्त लगाई

अभिनय

संयुक्त राष्ट्र संघ यानी कि यूनाइटेड नेशंस की जनरल असेंबली में दुनिया का पारंपरिक नक्शा बदलने का प्रस्ताव पारित हो गया है। नक्शे को बदलने के लिए अफ्रीकी देश टोगो की ओर से करेक्ट द मैप मुहिम चलाई गई थी। इसे अफ्रीकन यूनियन यानी कि एयू का समर्थन मिला था। प्रस्ताव में खासतौर पर अफ्रीका का आकार और हिस्सों को ज्यादा सही ढंग से दिखाने की बात कही गई थी। यूएन में इस प्रस्ताव को भारत, फ्रांस और इंग्लैंड समेत 164 देशों का समर्थन मिला है। जबकि एकमात्र अमेरिका ने इसके खिलाफ वोट किया है। इसके अलावा छह देशों स्टोनिया, जॉर्जिया, लिदवानिया, मुलदोवा, सर्बिया और यूक्रेन ने वोटिंग से दूरी बनाकर रखी। यूएन में हुए इस मतदान से दुनिया भर के संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले नक्शों में बदलाव आएगा। यह खबर कई सवालों को जन्म देती है। जैसे कि क्या अब दुनिया का नक्शा बदल जाएगा? मरकेटर मैप इक्वल अर्थ मैप में क्या अंतर है? आखिर 450 साल पुराने नक्शे ने दुनिया को इतना अलग क्यों दिखाया और नए नक्शे में अफ्रीका अचानक इतना बड़ा नजर क्यों आया? संयुक्त राष्ट्र महासभा यूएन ने एक नए विश्व मानचित्र को मंजूरी दी है जिसमें महाद्वीपों का आकार एक दूसरे के मुकाबले ज्यादा सही दिखाया गया है। प्रस्ताव में कहा गया कि 16वीं सदी में नौवहन के उद्देश्य से तैयार श्मर्केटर प्रोजेक्शनश उपयोग अब तक धरती पर देशों और महाद्वीपों को दिखाने के लिए किया जाता था। इसमें देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल से बड़ा या छोटा दिखता था। टोगो की पहल और अफ्रीकी देशों की अगुआई में लाए गए इस प्रस्ताव का मकसद खास तौर पर अफ्रीका के आकार को दुनिया के नक्शों में अधिक वास्तविक रूप में दिखाना है। इस फैसले से देशों और महाद्वीपों के क्षेत्रफल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बस आकार में बदलाव हो सकता है। क्योंकि, नया नक्शा सीमाएं नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है। भारत का नक्शा थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन बड़ा बदलाव नहीं होगा। मान लीजिए आपके हाथ में एक सेब है। सेब एकदम गोल। ठीक हमारी पृथ्वी की तरह। अब अगर आप उस सेब का छिलका उतारकर मेज पर बिल्कुल सपाट रख दें यानी समतल रख दें और फैलाने की कोशिश करेंगे तो वह किनारे से फटेगा या फिर आपको उसे जबरदस्ती खींचना पड़ेगा। यह भी हो सकता है। कुछ ऐसा उदाहरण आप संतरे को भी लेकर देख सकते हैं। जब आप संतरे को छीलते हैं और नीज पर रखते हैं तो शायद वो फैल भी सकता है या टूट भी सकता है। गोल धरती को चौकोर पन्ने पर उतारते वक्त भी बिल्कुल यही परेशानी आती है। करीब 450 साल पहले 1569 में गेराड्स मॉकेटर ने यही नक्शा तैयार किया था। उस दौर में हवाई जहाज नहीं थे। लोग समंदर में जहाजों से महीनों सफर करते। नाविक पानी में भटक ना जाए इसलिए मार्केटर ने नक्शे में रास्तों और दिशाओं को एकदम सीधी रेखाओं में रखा ताकि जहाजों को सही दिशा मिले। दिशाएं सीधी रखने के चक्कर में एक बड़ी भूल हुई। मार्केटर नक्शा समंदर में जहाजों को सही रास्ता दिखाने के लिए तो शानदार था लेकिन उसने दुनिया के देशों का असली आकार खराब कर दिया था। यह प्रस्ताव गैर–बाध्यकारी है। मतलब, दुनियाभर में इस्तेमाल होने वाले सभी नक्शों को तत्काल मर्केटर से बदलना अनिवार्य नहीं है। मुख्य उद्देश्य अधिक सटीक और समानुपातिक कार्टोग्राफिक मेथेडोलॉजी को प्रोत्साहित करना है। वोट से पहले न्छ ने टोगो के विदेश मंत्री रॉबर्ट डूसी के हवाले से कहा, श्मैप दुनिया के बारे में हमारी समझ को आकार देते हैं। वे शिक्षा को गाइड करते है, कल्पना को बढ़ावा देते है और सामूहिक सोच पर असर डालते हैं। धरती पर इंसानी सफर की बुनियाद अफ्रीका की सरजमीं से ही पड़ी, जिसे इतिहास में 'द ग्रेट माइग्रेशन' का नाम मिला। वैज्ञानिकों का भी यही मानना है कि इसी महाद्वीप से निकलकर इंसान दुनिया के कोने–कोने में बसे और सभ्यताओं का विस्तार हुआ। मगर वक्त का अजीब फेर देखिएकृजिस भूभाग ने पूरी मानव जाति को पहचान दी, वही सदियों तक दुनिया के कागजों पर अपनी सही भौगोलिक पहचान और वास्तविक आकार के लिए संघर्ष करता रहा। अब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक अहम प्रस्ताव को हरी झंडी दी है, जो दुनिया के सामने देशों और महाद्वीपों का बिल्कुल सटीक और यथार्थवादी खाका पेश करेगा। दरअसल, गोल घूमती धरती को किसी सपाट कागज पर हूबहू उतार पाना कभी आसान नहीं रहा। 16वीं सदी में जब तकनीक बेहद सीमित थी, तब 1569 में भूगोलवेत्ता गेरार्डस मर्केटर ने समुद्री जहाजों के रास्ते आसान करने के लिए एक नक्शा तैयार किया। उस दौर के व्यापार और नौवहन के लिए तो वह पैमाना कारगर रहा, लेकिन उसने भूगोल की सच्चाई को हमेशा के लिए उलझा दिया। ध्रुवों के पास वाले इलाके विशाल दिखने लगे और भूमध्य रेखा के करीब मौजूद अफ्रीका जैसे विशाल महाद्वीप नक्शे पर सिमट कर रह गए। कारोबार की सहूलियत के लिए बना वही खाका धीरे–धीरे देशों के आत्मसम्मान और उनकी अस्मिता की लड़ाई बन गया। अफ्रीकी मुल्क टोगो ने इस गैर–बराबरी को वैश्विक मंच पर मुखरता से उठाया, क्योंकि किसी भी समाज के लिए नक्शा सिर्फ जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि उसकी पहचान का आईना होता है। किसी भी अनजान मुल्क में पैर रखने से पहले इंसान नक्शे की नजर से ही उससे नाता जोड़ता है, और सही पहचान के साथ इस सफर को महसूस करने का अपना एक अलग गौरव है। भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। लेकिन भारत ने साथ ही साफ किया है कि इसका मतलब किसी एक खास वर्ल्ड मैप को मंजूरी देना नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस प्रस्ताव का देशों की सीमाओं, विवादित इलाकों या जगहों के नाम से कोई लेना देना नहीं है। भारत ने यह भी साफ किया है कि भारत का क्षेत्र जिसमें जम्मू कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल है, उसे भारत के आधिकारिक नक्शे के मुताबिक ही दिखाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की सीमा या क्षेत्र को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना भारत को मंजूर नहीं है। और भारत ने साफ कहा है कि अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर उसका रुख बिल्कुल स्पष्ट है। इस मुद्दे पर भारत ना तो अपना रुख बदलेगा और ना ही कोई समझौता करेगा।

भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री मोदी ने इस साल भी लाल किले से भाषण दिया आत्मनिर्भर भारत की सबसे ज्यादा बात कही। लेकिन दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता पहले कभी भी इतनी नहीं रही है। इसी तरह मोदी जनधन खाते, आधार और मोबाइल के हवाले दावा करते हैं कि भारत में बड़ी आबादी को अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा रहा है लेकिन असल में इतनी असमानता कभी नहीं रही। प्रधानमंत्री मोदी ने नारा दिया था कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा लेकिन भ्रष्टाचार का ऐसा इकोसिस्टम देश में इससे पहले कभी नहीं बना था। इन्सॉलवेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी लूट का कानून है। इस कानून के आधार पर एनसीएलटी और एनसीएलएटी में जो हो रहा है वह दुनिया के सामने है। अभी देश के एक कारोबारी सुभाष चंद्रा की खबर आई है कि उनका 22 हजार करोड़ रुपए का कर्ज साढ़े छह करोड़ रुपए में सेटल हुआ है। याना 21 हजार नौ सौ 93 करोड़ से ज्यादा रुपए बट्टेखाते में गए हैं! लेकिन सरकार की उपलब्धि बताने वाले सुहेल सेठ जैसे लोग सोशल मीडिया में पोस्ट लिख रहे हैं कि पहले 2014 में बैंकों का एनपीए 11 फीसदी था और अब 0.4 फीसदी रह गया है। एनपीए कैसे कम नहीं रहेगा, जब हर साल बैंकों का बकाया बट्टेखाते में डाल दिया जाएगा या आईबीसी के जरिए उसे खत्म कर दिया जाएगा तो एनपीए कहां से होगा! सरकार ने पिछले 12 साल में 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बट्टेखाते में डाले हैं और हर साल हजारों करोड़ रुपए आईबीसी के जरिए साफ किए जा रहे हैं। अगर आत्मनिर्भरता की बात करें तो दुनिया के देशों खास कर चीन पर भारत की निर्भरता इतनी बढ़ती जा रही है कि भारत उसका आर्थिक गुलाम बनने की ओर बढ़ रहा है। पहली बार चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा 10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। यानी चीन को हम जितना सामान बेचते हैं उससे 10 लाख करोड़ रुपए ज्यादा का सामान खरीदते हैं। भारत की फार्मा इंडस्ट्री से लेकर कृषि सेक्टर तक ज्यादातर सेक्टर ऐसे हैं, जिनका काम चीन के भरोसे चल रहा है। जिन सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की बात कही जा रही है उसमें भी चीन के बगैर काम नहीं चलेगा। और यह स्थिति इसके बावजूद है कि चीन लगातार भारत की जमीन हड़प रहा है और भारत को पेट्रोलिंग प्वाइंट से पीछे कर रहा है। 2020 में गलवान में चीनी सैनिकों के साथ हिंसक झड़प में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे। उसके बाद चीन से कारोबार बंद होना चाहिए तो तो कारोबार बढ़ता जा रहा है। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब भारत अपनी जरुरत का 81 फीसदी तेल आयात करता था। उस समय मोदी ने कहा था कि भारत इस आयात को धीरे धीरे कम करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत तेल की खोज और रिफाइनिंग क्षमता को बढ़ाएगा। लेकिन उलटा हुआ। तेल और प्राकृतिक गैस की खोज नहीं हुई उलटे ईंधन का आयात बढ़ कर लगभग 90 फीसदी पहुंच गया। तेल और गैस खोजने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी ओएनजीसी का सारा कैश गायब हो गया और एक्सप्लोरेशन का काम लगभग ठप्प हो गया। ऊर्जा से लेकर उपकरण और एआई तक सबमें भारत दूसरे देशों पर निर्भर है। अगर भारत में बढ़ती असमानता की बात करें तो पेरिस की वर्ल्ड इनइक्विलिटी लैब की विश्व असमानता रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में अमीर और गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। देश की कुल संपत्ति का करीब 40 फीसदी हिस्सा ऊपर के एक फीसदी लोगों के पास हैं। देश के अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का 65 फीसदी हिस्सा है। अगर आय की बात करें तो देश की ऊपर की 10 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा 58 फीसदी है, जबकि नीचे की 50 फीसदी आबादी का आय में हिस्सा सिर्फ 15 फीसदी है। दुनिया के किसी भी देश के मुकाबले भारत में अरबपतियों की संख्या ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। चुनिंदा लोगों के हाथों में संपत्ति और आय का केंद्रीकरण ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना महामारी ने देश के असंगठित क्षेत्र और लघु व मझोले उद्यम को लगभग खत्म कर दिया। सरकार की नीतियों के कारण कोरोना महामारी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में श्के शेफ्य का विकास हुआ, जिसमें अमीर और अमीर होते गए, जबकि गरीब और नीचे जाते चले गए।

अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध

विनीत नारायण

हम तेजी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। आप भारत के किसी भी शहर या कस्बे में घूम कर देखिए तो सबसे ज्यादा दुकानें अंग्रेजी दवाओं की मिलेंगी या पैथोलॉजी टेस्ट और एमआरआई आदि करने वाले सेंटर मिलेंगे या पचासों नर्सिंग होम व अस्पताल मिलेंगे। जाहिर है कि हम तेजी से एक बीमार देश बनते जा रहे हैं। हम बीमारी को डाक्टरी इलाज से ठीक करने में लाखों रुपया गवां देते हैं लेकिन बीमारी के कारणों को समझ कर जड़ से खत्म करने की कवायद नहीं करते। जबकि सच्चाई यह है कि अगर हम अपने धर्मशास्त्रों के अनुसार अपने भोजन और दिनचर्या को संचालित करें तो आधुनिक जीवन की चकाचौंध के बीच भी हम पूरी तरह स्वस्थ रह सकते हैं। हजारों सालों से ऋषि मुनियों ने अपने अनुभव और ज्ञान के आधार पर इन धर्मशास्त्रों की रचना की थी जो कलयुग के प्रारंभ में छिन्न–भिन्न हो गए। इसलिए नेमिशारण्य में शौनक ऋषि के नेतृत्व में देश भर के कोने–कोने से अस्सी हजार ऋषि वहाँ ज्ञान चर्चा के लिए एकत्र हुए और लंबे व गहरे चिंतन व संवाद के बाद उस ज्ञान को लेकर पुनरू भारत के कोने–कोने में पहुँच गए। उनके द्वारा दिए गए ज्ञान का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा और ये पद्धतियाँ समाज में स्वीकृत और प्रतिष्ठित हो गई, जिनके अनुसार हम आज भी कुछ सीमा तक आचरण कर रहे हैं। उदाहरण के लिए फागुन पूर्णिमा को होलिकोत्सव करना, मकर संक्रांति के दिन तिल और गुड़ के लड्डू खाना और दान करना। सूर्य–चंद्र ग्रहण के समय खाना–पीना नहीं या फिर गणेश जी के पूजन के लिए दूर्वा का, शंकर जी के पूजन के लिए बेलपत्र का और विष्णु पूजन के लिए तुलसी पत्र का प्रयोग करना उसी परंपरा का प्रभाव है। इसी तरह विजयदशमी को शस्त्र पूजन करना, पाटी पूजन करना या विद्वानों को दक्षिणा देना, दीपावली के पहले अपने आवास की लिपाई–पुताई करना और लक्ष्मी पूजन के बाद दीपोत्सव करना। ये सब शास्त्र शुद्ध पद्धतियों का समावेश कर, जिन ग्रंथों की रचना की गई उन्हें धर्मशास्त्र कहते हैं। धर्म वही है जिसे प्रजा धारण करे यानी उसके अनुसार आचरण करे तो समाज को स्थिरता प्राप्त होती है। यही बात हमारे दैनिक आहार और पाक–क्रिया पर भी लागू होती है। हमारा आहार शास्त्र और पाक शास्त्र धर्मशास्त्रों का ही एक महत्वपूर्ण अंग है। जरा सोचें कि अधिकांश लोगों का भोजन, दाल–चावल, रोटी–सब्जी होगा, यह किसने तय किया? दाल–सब्जी को छौंकने का आविष्कार किसने किया होगा? श्राद्ध में उड़द की दाल की पकौड़ी, कचौड़ी, इमरती खाना और होली के दिनों में खजूर और ज्वार खाना और चौत्र के महीने में कड़वे नीम का रस पीना ये किसने और कब तय किया होगा? इन परंपराओं को हम केवल अंधविश्वास से नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य को ठीक रखने के उद्देश्य से आज भी निभाते आ रहे हैं। इसी तरह दक्षिण भारत में इडली डोसा, महाराष्ट्र में वरण और भात, राजस्थान में दाल–बाटी और सैंगरी, गुजरात में भकड़ी और सुखड़ी, पंजाब में परांठे और लस्सी, उड़ीसा में पखालभात, बंगाल में माछ–भात, ये कैसे और कब हमारी दिनचर्या में आए और आज भी हम इनका पालन करते हैं। इसी तरह, भोजन बनाने की विभिन्न पद्धतियां, विभिन्न मसालों का प्रयोग, शुद्ध घी या फिर सरसों, तिल या नारियल के तेल का प्रयोग, भोजन परोसने की विभिन्न पद्धतियां, उनको पकाने और खाने के लिए विभिन्न धातुओं के पात्रों का प्रयोग किसने और कब सिखाया होगा? युगों से जो हम करते आए हैं वह हमें बहुत ही सहज और स्वाभाविक लगता है। पर विचार करने पर आश्चर्य होता है कि उन ऋषियों की समग्र बुद्धि और सूक्ष्मता पर, जिन्होंने इस विज्ञान को स्थापित किया। भोजन बनाना, परोसना और उसका आस्वादन करना, यह तत्वज्ञान है, यह यज्ञ है, शास्त्र है, कौशल है, कला है, रसास्वादन है, प्राणों की पुष्टि है, इन्द्रियों और मन का सुख है और यह हमारा संस्कार है। एक साथ पोषण, तोषण, संस्कार, आनंद और आत्म दर्शन है। अपनी संस्कृति के इन मूल तत्वों के कारण, भारत चिरंजीव बना है। इस वास्तविकता को अब पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। परंतु हम स्वयं ही आज इन बातों से विमुख हो गए हैं। मैकॉले की आजतक लागू शिक्षा पद्धति ने हमारी सोच को पूरी तरह बदल दिया है। अपने रीति–रिवाजों, परंपराओं, पद्धतियों और खान–पान व पहनावे का सम्मान करने की बजाए हम उनका उपहास करना, आलोचना करना और उपेक्षा करना अपने आधुनिक होने का प्रमाण मानते हैं। हम अन्न को पवित्र मानने के स्थान पर उसे बाजार में बिकने वाला एक सामान्य पदार्थ मानने लगे हैं। अन्न का आरोग्य और संस्कार के साथ सीधा संबंध है, इस बात को भूल कर केवल स्वाद की संतुष्टि के लिए ही उसे ग्रहण करते हैं। इसलिए देश में

अन्न का संकट और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का संकट बढ़ गया है। जैस कोई हीरे को पत्थर समझ कर फेंक दे, वैसे ही हमने अपने शास्त्रों को फेंक दिया है और पश्चिम की बाजारू संस्कृति के गुलाम बन गए हैं। हमारे दैनिक जीवन में ऑनलाइन आनेवाला भोजन इसका प्रमाण है। जिसका परिणाम है आधुनिक चिकित्सा का दिन–दूना और रात–चौगुना बढ़ता कारोबार। उपरोक्त ज्ञान का आधार पुनरुत्थान प्रकाशन सेवा ट्रस्ट, कांकरिया, अहमदाबाद से प्रकाशित एक अत्यंत मूल्यवान ग्रंथ श्आहारशास्त्रश्च है जो आज हर घर में होना चाहिए। मात्र पाँच सौ रुपए का यह ग्रंथ पढ़कर हर महिला अपने घर को निरोगी, सुखी व संपन्न बना सकती है। इसी क्रम में याद आया कि कई बरस पहले अमरीका के कई बड़े शहरों में अपनी व्याख्यान माला के दौरान, लॉस एंजलेस से सैनहोजे की फ्लाइट में एक वृद्ध अमरीकी महिला, जो मेरे साथ बैठी थीं।

संक्षिप्त खबरें

बीकेटी में अज्ञात वाहन की टक्कर से दो माह के शिशु की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना बीकेटी क्षेत्र के ग्राम रामपुर बेहड़ा निवासी रामकुमार अपनी पत्नी अंजलि और करीब दो माह 15 दिन के पुत्र ऋषि कुमार को मोटरसाइकिल से उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल, साढ़ामऊ जा रहे थे। इसी दौरान लखनऊ–सीतापुर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों सड़क पर गिर गए।पुलिस के अनुसार घटना सोमवार रात करीब 9रू30 बजे की है। बताया गया कि रामकुमार मोटरसाइकिल से गलत दिशा में जा रहे थे, इसी दौरान लखनऊ से सीतापुर की ओर जा रहे अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। हादसे के बाद रामकुमार स्वयं अपनी पत्नी और पुत्र को उपचार के लिए 100 शैय्या अस्पताल, साढ़ामऊ, बीकेटी ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने उनके पुत्र ऋषि कुमार को मृत घोषित कर दिया।पुलिस के मुताबिक मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही अज्ञात वाहन के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार घटनास्थल पर शांति एवं कानून–व्यवस्था सामान्य है।

सुशांत गोल्फ सिटी में अपहरण कर हत्या के मामले में 50 हजार का इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में धीरेंद्र प्रताप सिंह के अपहरण एवं हत्या की घटना में शामिल 50 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र के आधार पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त को सोमवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जय किशन पुत्र बैजनाथ, निवासी मानपुर डेहवा, थाना जैतपुर, जनपद बाराबंकी, हाल पता पटेल नगर, निलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में हुई है। अभियुक्त पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से 7,300 रुपये नकद तथा पीली धातु की एक अंगूठी, जिसमें पारदर्शी नग लगा हुआ है, बरामद की है। पुलिस के अनुसार अंगूठी मृतक की बताई गई है।अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

काकोरी में 63 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। थाना काकोरी क्षेत्र के ग्राम तेजकिशन खेड़ा में 63 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर डायल–112 के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई, जिसके बाद थाना काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान सूरसती पत्नी भवानी रावत, निवासी तेजकिशन खेड़ा, थाना काकोरी, लखनऊ, उम्र करीब 63 वर्ष के रूप में हुई है। वह कमरे के अंदर कपड़े टांगने के लिए लगी मोटी बल्ली में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदे से लटकी मिलीं। परिजनों की मौजूदगी में घटनास्थल की वीडियोग्राफी कराई गई ।

मऊ में विकास और सौंदर्यीकरण कार्यों का मंत्री ए.के. शर्मा ने किया शुभारंभ

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने रविवार देर शाम मऊ जनपद में विभिन्न विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने बलिया मोड़ तिराहा स्थित पटेल उपवन में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा के आसपास कराए गए विकास कार्यों, गाजीपुर तिराहा स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण, मऊ बस स्टैंड स्थित स्वतंत्रता सेनानी अलगू राय शास्त्री की प्रतिमा स्थल तथा मिर्जाहादीपुर चौक पर स्थापित ट्राई कलर मिरर एवं कॉलम लाइट का शुभारंभ किया।ए.के. शर्मा ने कहा कि मऊ शहर को स्वच्छ, सुंदर, सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों और सार्वजनिक स्थलों का योजनाबद्ध ढंग से विकास एवं सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेहतर वातावरण के साथ सुविधाजनक और आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध हो सकें।उन्होंने कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाएं हमारी प्रेरणा और गौरव का प्रतीक हैं। ऐसे स्थलों का विकास और सौंदर्यीकरण केवल शहर की सुंदरता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे नई पीढ़ी को महापुरुषों के जीवन, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से परिचित कराने का अवसर भी मिलता है।नगर विकास मंत्री ने कहा कि सरकार का मूल उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और शहरों में ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां लोगों को आवागमन, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था तथा सार्वजनिक सुविधाओं के स्तर पर किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रेलकर्मियों और उनके परिवारों ने हर्षोल्लास से मनाया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

लखनऊ, (संवाददाता)। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में बादशाहनगर स्थित मनोरंजन संस्थान में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव श्रद्धा, हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में करीब 350 रेलकर्मियों, उनके परिवारजनों तथा स्काउट्स एंड गाइड्स जिला संघ, लखनऊ के बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उत्सव के दौरान योगेश्वर श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकियां आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं। विधिवत आरती एवं पूजा–अर्चना के बाद नन्हे–मुन्ने बच्चों ने केक काटकर कान्हा जी का जन्मदिन मनाया।इस अवसर पर बच्चों, स्काउट्स एंड गाइड्स तथा रेलकर्मियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य और मनोरंजक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने सभी प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि प्रेम, सद्भाव और कर्तव्य का प्रतीक भी है। इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन रेल परिवार को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। इससे कर्मचारियों और उनके परिजनों में नई ऊर्जा, आपसी सौहार्द तथा सकारात्मकता का संचार होता है। रेल प्रशासन भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करता रहेगा।वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता ने सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए ।

सर्वेश सिंह बने भारतीय सद्भावना मंच के जिला अध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय सद्भावना मंच (है) के केंद्रीय व प्रांतीय नेतृत्व द्वारा सर्वेश कुमार सिंह की योग्यता, निष्ठा एवं सामाजिक योगदान को देखते हुए उन्हें श्जिला अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ, जौनपुरश् के पद पर नियुक्त किया गया है। घ्इस मनोनयन की घोषणा भारतीय सद्भावना मंच के संस्थापक डॉ. इंद्रेश कुमार जी (आर.एस.एस.), राष्ट्रीय संयोजिका साध्वी मॉ कल्पना अरुंधति, प्रदेश अध्यक्ष अमित जैन नायक तथा प्रदेश उपाध्यक्ष मयंक कुमार सिंह की सहमति व दिशा–निर्देश पर की गई है। सर्वेश सिंह की यह नियुक्ति 2 वर्ष तक के लिए प्रभावी रहेगी। घ्संगठन के पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की है कि सर्वेश कुमार सिंह अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे और मंच के उद्देश्यों व सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस मानोनयन के बद पर सर्वेश कुमार सिंह ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन के संविधान एवं नियमों का पालन करते हुए मंच को मजबूत करने का कार्य करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर शुभचिंतकों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बध ाई व हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

जौनपुर में एल एल बी डिग्री धारी बना तस्कर एमडीएमए बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार तस्कर गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में केराकत पुलिस और स्वाट टीम ने बुधवार को (मेथिलीनडाइऑक्सी मेथामफेटामाइन) बनाने और बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से करीब डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की एमडीएमए मादक पदार्थ बनाने के उपकरण, 9,500 रुपये नकद और दो चार पहिया वाहन बरामद किए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बुधवार खुलासा करते हुए बताया कि 8 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि केराकत थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित ग्रांड वेलकम रेस्टोरेंटध्होटल में कुछ लोग एमडीएमए तैयार कर रहे हैं। सूचना पर केराकत पुलिस और स्वाट टीम ने छापेमारी की। मौके से चार आरोपियों को माल तैयार करते हुए गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से करीब 317 ग्राम तैयारएमडीएमए तथा 660 ग्राम अध निर्मित एमडीएमए बरामद हुई। इसके अलावा मादक पदार्थ बनाने में इस्तेमाल होने वाले लोहे की छड़ वाले स्टैंड, मिक्सर मशीन, इलेक्ट्रिक हीटर, सफेद और नीले ड्रम, बड़े शीशे के जार, इलेक्ट्रॉनिक वजन मशीन और प्लास्टिक के मग समेत अन्य उपकरण मिले। दो वाहन भी बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में शशांक मौर्य पुत्र विनय कुमार मौर्य निवासी सैदनपुर, थाना लाइन बाजार, जो पेशे से अधिवक्ता बताया गया है, सुनील कुमार सोनकर निवासी मछली गली केराकत, राहुल सोनकर निवासी मोहल्ला शेखजादा केराकत और शिवशंकर पुत्र राजेंद्र राम निवासी चंद्रावल शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गिरोह का नेटवर्क मिर्जापुर, हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात तक फैला हुआ है। वर्ष 2025 में बरसठी थाना क्षेत्र में पकड़े गए ऐसे ही मामले में एक केमिकल इंजीनियर भी गिरफ्तार हुआ था, जिससे इन आरोपियों के संपर्क की बात सामने आई है। वह वर्तमान में नोएडा जेल में बंद है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी एमडीएमए लिए कच्चा माल कहां से लाते थे, इसे कैसे तैयार करते थे और किन–किन स्थानों पर इसकी आपूर्ति करते थे। केराकत थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8ध्21/22/25ए/27ए/29 के तहत मुकदमा संख्या 368/2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जौनपुर में बनेंगे चार लघु सेतु और पहुंच मार्ग, सरकार ने मंजूर किए 2.75 करोड़

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जफराबाद विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन की वर्षों पुरानी समस्या दूर होने की उम्मीद जगी है। बरसात में नालों के उफान और जलभराव से प्रभावित होने वाले रास्तों पर चार लघु सेतु और उनसे जुड़े पहुंच मार्ग बनाए जाएंगे। प्रदेश सरकार ने इन कार्यों के लिए 275.50 लाख रुपये यानी करीब 2.75 करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक निर्माण विभाग के लोक निर्माण अनुभाग–6 की ओर से पांच सितंबर 2026 को जारी शासनादेश के अनुसार, चारों कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2026–27 में 55.09 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। स्वीकृति मिलने के बाद संबंधित क्षेत्रों में निर्माण कार्य की प्रक्रिया आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया है। स्वीकृत कार्यों में राजापुर इटायें डेडारपुर में पानी की टंकी के पास नाले पर 2×5×4 मीटर बाक्स कलवर्ट और पहुंच मार्ग का निर्माण शामिल है। इसकी अनुमानित लागत 51.06 लाख रुपये है। ग्रामसभा सुल्तानपुर में उत्तरगांव–बिहरोजपुर नाला पर बिहरोजपुर में 2×4×4 मीटर स्पान पुलिया, पहुंच मार्ग और अतिरिक्त पहुंच मार्ग के निर्माण पर 62.26 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी ग्रामसभा में उत्तरगांव–सुल्तानपुर नाले पर 4×4×4 मीटर बाक्स कलवर्ट तथा पहुंच मार्ग और अतिरिक्त पहुंच मार्ग बनाया जाएगा। इस कार्य की लागत 108.01 लाख रुपये निर्धारित की गई है। वहीं, विकासखंड जलालपुर में विभनमऊ मार्ग पर मौर्या बस्ती, यादव बस्ती और जूनियर हाईस्कूल के पास नाले पर 2×5×5 मीटर बाक्स कलवर्ट एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कराया जाएगा। इसकी लागत 54.17 लाख रुपये है। इन पुलों के निर्माण से विद्यार्थियों, किसानों, श्रमिकों और अन्य ग्रामीणों को आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। बरसात में नालों का जलस्तर बढ़ने पर कई रास्तों पर आवागमन बाधित हो जाता है। इस संबंध में बुधवार को बात करने पर जफराबाद के विधायक एवं पूर्व मंत्री जगदीश नारायण राय ने स्वीकृति पर प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सड़क के साथ पुल–पुलिया का निर्माण भी जरूरी है। लघु सेतु बनने से ग्रामीणों को पानी कम होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और आवागमन सुगम होगा।

संजय सिंह ने कांग्रेस पर आप के संगठन को लेकर भ्रामक खबर फैलाने का लगाया आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस द्वारा आम आदमी पार्टी के संगठन को लेकर कथित रूप से भ्रामक खबरें फैलाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने जिन लोगों को आम आदमी पार्टी के किसान प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव बताते हुए पार्टी में शामिल कराया है, उन पदों पर संबंधित व्यक्ति आप के संगठन में नहीं हैं।संजय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि कुछ समाचार पत्रों और सोशल मीडिया माध्यमों पर यह खबर प्रसारित की जा रही है कि आम आदमी पार्टी किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पांडे, प्रदेश महासचिव संजय मिश्रा और कुछ अन्य लोग कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। उन्होंने इस खबर को खारिज करते हुए सवाल उठाया कि अखबारों को यह जानकारी किसने उपलब्ध कराई।उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमांडो अशोक और प्रदेश महासचिव नीरज छौंकर हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि किसी अन्य व्यक्ति को प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव बताकर कांग्रेस में शामिल कराना राजनीतिक भ्रम पैदा करने का प्रयास है।आप नेता ने कहा कि किसी व्यक्ति को गलत तरीके से संगठन का प्रदेश अध्यक्ष बताकर पार्टी में शामिल कराना जनता और मीडिया को गुमराह करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का संगठन उत्तर प्रदेश में मजबूती से कार्य कर रहा है।संजय सिंह ने मीडिया संस्थानों से खबर प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की जांच करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन समाचार पत्रों और समाचार माध्यमों ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया है।

पुनर्वास विवि में 71 मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स को मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। विज्ञान के छात्र भी अब ज्योतिष की पढ़ाई कर सकेंगे तो वहीं कला वर्ग के छात्र विज्ञान, कॉमर्स या कंप्यूटर से जुड़े तकनीकी विषय ले सकेंगे। यह सुविधा इसी वर्ष से मिलने जा रही है शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय में। विवि ने 71 मल्टीडिसिप्लिनरी (बहुविषयक) कोर्स लॉन्च किए हैं जिनमें से 56 का संचालन इसी वर्ष सत्र 2026–27 से शुरू हो रहा है। इसके तहत छात्र अपने मुख्य विषय के अलावा किसी अन्य संकाय या भिन्न क्षेत्र के विषयों का भी अध्ययन कर सकेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत बहुविषयक शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि ऐसे स्नातक तैयार करना है जो विभिन्न विषयों की समझ रखते हों और जटिल समस्याओं का समाधान बहुआयामी दृष्टिकोण से कर सकें। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए पुनर्वास विवि ने विभिन्न संकायों की विशेषज्ञता को एक मंच पर लाने का प्रयास किया है। अब तक ज्यादातर छात्र केवल अपने विषय तक ही सीमित रहते थे, लेकिन नई व्यवस्था में वे कला, विज्ञान, प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, योग, पर्यावरण, उद्यमिता, संचार कौशल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विविध क्षेत्रों के पाठ्यक्रम भी चुन सकेंगे। विवि में स्नातक स्तर पर पढ़ने वाले छात्रों के लिए प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में 3 क्रेडिट का एक मल्टीडिसिप्लिनरी विषय चुनना अनिवार्य किया गया है। विवि के नियमानुसार, छात्र अपनी स्ट्रीम या संकाय से बाहर का कोई भी विषय चुन सकते हैं लेकिन वह विषय मुख्य (मेजर) या गौण (माइनर) विषय में शामिल नहीं होना चाहिए। एनईपी के नियमों के अनुसार, अगर बीए में आपका मुख्य विषय हिंदी है तो इसके साथ में कंप्यूटर एप्लीकेशन, साइबर सुरक्षा, पर्यावरण विज्ञान जैसे व्यावहारिक तकनीकी कोर्स लेकर कॅरिअर को बेहतर बना सकते हैं। विवि के प्रवक्ता यशवंत वीरोदय का कहना है ।

मौसम में बदलाव के कारण मेडिकल कॉलेज में 1000 मरीज बढ़े, ओपीडी में अब 4000 लोग पहुंच रहे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मौसम बदलने के साथ वायरल संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इसका असर मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में दिख रहा है, जहां मरीजों की संख्या एक हजार बढ़ गई है। अगस्त में जहां दो से तीन हजार मरीज आ रहे थे, वहीं अब रोजाना चार हजार मरीज पहुंच रहे हैं। आठ गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। मरीजों की अचानक बढ़ी संख्या से अस्पताल की व्यवस्थाओं पर भी असर पड़ रहा है। सुबह अस्पताल खुलते ही रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर डॉक्टरों के कमरे तक मरीजों की लंबी कतारें लग रही हैं। बड़ी संख्या में मरीज बुखार, सर्दी–खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी की शिकायत लेकर आ रहे हैं। ओपीडी में भीड़ बढ़ने के कारण पैथोलॉजी में जांच कराने और मेडिसिन विभाग में डॉक्टर से सलाह लेने के लिए मरीजों को इंतजार करना पड़ रहा है। दवा के काउंटर पर भी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टर विनोद कुमार और डॉक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि मौसम में लगातार बदलाव के कारण वायरल संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। तापमान में उतार–चढ़ाव के बीच सर्दी–खांसी और बुखार से पीड़ित लोगों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अभी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि वायरल संक्रमण में आमतौर पर बुखार, सर्दी–खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है। डॉक्टरों ने संक्रमण से बचाव के लिए भीड़ वाली जगहों पर जाने से बचने और जरूरत पड़ने पर मास्क का इस्तेमाल करने की सलाह दी है। साथ ही, खूब पानी पीने, पोषक खाना खाने और पर्याप्त आराम करने को भी जरूरी बताया है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों में लक्षण ज्यादा होने पर खास सावधानी बरतनी चाहिए।

18 लाख रुपये के चेक बाउंस मामले में कोर्ट ने आरोपी को किया तलब

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में 18 लाख रुपये के चेक बाउंस के मामले में सिविल जज एफटीसी की अदालत ने सिकरारा थाना क्षेत्र के लखेसर निवासी अमित तिवारी को धारा 138 एनआई एक्ट के तहत विचारण के लिए तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई सात अक्टूबर 2026 को होगी। तेजीबाजार थाना क्षेत्र निवासी विनोद कुमार तिवारी ने अधिवक्ता सर्वेश कुमार पाठक के माध्यम से न्यायालय में परिवाद दाखिल किया था। परिवाद के अनुसार, विनोद कुमार तिवारी और अमित तिवारी ने मिलकर एक फैक्ट्री स्थापित की थी। इसके लिए 18 सितंबर 2018 को पार्टनरशिप डीड तैयार की गई थी, जिसमें दोनों की 50–50 प्रतिशत हिस्सेदारी तय हुई थी। परिवाद में आरोप लगाया गया कि बाद में अमित तिवारी व्यापार में अनियमितता बरतने लगा। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच पंचायत हुई। इसमें तय हुआ कि अमित तिवारी 20 लाख रुपये देकर विनोद कुमार तिवारी का फैक्ट्री से सर्वाधिकार समाप्त कर देगा और फैक्ट्री अपने पास रखेगा। आरोप के मुताबिक, इसके तहत अमित तिवारी ने चार अप्रैल 2022 को बैंक ऑफ इंडिया का 18 लाख रुपये का चेक दिया और शेष दो लाख रुपये मई में देने की बात कही। परिवादी ने 19 अप्रैल 2022 को चेक भुगतान के लिए अपने एचडीएफसी बैंक खाते में जमा किया, लेकिन खाते में पर्याप्त धनराशि नहीं होने के कारण चेक बाउंस हो गया। इसके बाद परिवादी ने चार मई 2022 को आरोपी को कानूनी नोटिस भेजकर धनराशि का भुगतान करने को कहा, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। परिवाद और उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने के बाद अदालत ने अमित तिवारी को धारा 138 एनआई एक्ट के तहत तलब किया है। मामले की अगली सुनवाई सात अक्टूबर 2026 को होगी।

बरसठी पुलिस ने जिला बदर अपराधी को कराया आदेश का अनुपालन, मुनादी कर दी चेतावनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन के निर्देश पर बरसठी पुलिस ने मंगलवार को एक अपराधी को जिला बदर की कार्रवाई का अनुपालन कराया। बरसठी थाना क्षेत्र के हंसिया गांव निवासी राहुल बिंद पुत्र लाल चंद बिंद को जिला प्रशासन के आदेश पर तीन माह के लिए जौनपुर की सीमा से जिला बदर किया गया है। मंगलवार को बरसठी पुलिस उसके निवास स्थान पर पहुंची और गांव में विधिवत मुनादी कराकर जिला बदर आदेश की जानकारी दी। पुलिस ने राहुल बिंद और उसके परिजनों को जिला बदर आदेश की शर्तों से अवगत कराया। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी कि आदेश का उल्लंघन कर निर्धारित अवधि में जिले की सीमा में पाए जाने पर उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार, जिला बदर आदेश का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित व्यक्ति की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस टीम द्वारा समय–समय पर सत्यापन भी किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। जिला बदर किए गए व्यक्तियों की गतिविधियों पर भी पुलिस लगातार नजर रख रही है।

14 साल बाद भारत में लौटा APNIC सम्मेलन, NIXI और APNIC के बीच अहम साझेदारी समझौता

देश की उपासना समाचार पत्र ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा

मुंबई, 8 सितंबर 2026। एशिया–प्रशांत क्षेत्र के इंटरनेट समुदाय का प्रमुख सम्मेलन APNIC 62 मंगलवार से मुंबई में शुरू हो गया। राष्ट्रीय इंटरनेट एक्सचेंज ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित और इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सह–आयोजन में यह तीन दिवसीय सम्मेलन 8 से 10 सितंबर 2026 तक चलेगा। खास बात यह है कि करीब 14 वर्षों बाद APNIC सम्मेलन भारत में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन के दौरान इंटरनेट विकास और तकनीकी क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए NIXI और APNIC के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का उद्देश्य भारत में इंटरनेट विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, सामुदायिक सहभागिता और रूटिंग सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इस साझेदारी के तहत दोनों संस्थाएं IPअ6 और RPKI को अपनाने, Train-the&Trainer कार्यक्रमों, RPKI प्रशिक्षण तथा तकनीकी लैब इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए मिलकर काम करेंगी। इसके साथ ही RPKI Repository Mirror की स्थापना और तैनाती को भी सहयोग दिया जाएगा। इससे नेटवर्क ऑपरेटरों को रूटिंग सुरक्षा से जुड़ी जानकारी तक बेहतर पहुंच मिलेगी और नेटवर्क संचालन अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इस पहल का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य भारत के इंटरनेट समुदाय में स्थानीय तकनीकी विशेषज्ञता को बढ़ाना भी है। प्रशिक्षण, व्यावहारिक प्रयोग और तकनीकी ज्ञान के आदान–प्रदान के माध्यम से नेटवर्क ऑपरेटरों और तकनीकी विशेषज्ञों को उभरती इंटरनेट चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक सक्षम बनाया जाएगा। APNIC 62 में एशिया–प्रशांत क्षेत्र के विभिन्न देशों से नीति–निर्माता, सरकारी प्रतिनिधि, इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर विशेषज्ञ, नेटवर्क ऑपरेटर, तकनीकी विशेषज्ञ और उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में इंटरनेट कनेक्टिविटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, साइबर सुरक्षा, IPv6, रूटिंग सिक्योरिटी, इंटरनेट गवर्नेंस और नई तकनीकों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हो रही है। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री सुशील पाल, NIXI के CEO डॉ. देवेश त्यागी और APNIC EC चेयर केनी हुआंग सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं इंटरनेट क्षेत्र के प्रमुख विशेषज्ञ मौजूद रहे। MeitY के संयुक्त सचिव श्री सुशील पाल ने कहा कि भारत की डिजिटल यात्रा के लिए मजबूत और विश्वसनीय इंटरनेट इंफ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। भारत में APNIC 62 का आयोजन देश के इंटरनेट समुदाय को पूरे क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि NIXI और APNIC के बीच सहयोग भारत की तकनीकी क्षमताओं को और मजबूत करने में योगदान देगा। NIXI के CEO डॉ. देवेश त्यागी ने कहा कि APNIC 62 भारत को व्यापक एशिया–प्रशांत इंटरनेट समुदाय के साथ जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि NIXI और APNIC के बीच हुआ समझौता IPअ6, RPKI और तकनीकी प्रशिक्षण जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाएगा तथा भारत में स्थानीय तकनीकी विशेषज्ञता को मजबूत करेगा।

वहीं, APNIC के Director General Jia Rong Low ने कहा कि भारत ने IPअ6 को अपनाने में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण नेतृत्व दिखाया है। NIXI के साथ यह साझेदारी रूटिंग सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में अगला महत्वपूर्ण कदम है। प्रशिक्षण और ज्ञान साझा करने के माध्यम से नेटवर्क ऑपरेटरों को रूटिंग सुरक्षा तकनीकों को अपनाने के लिए सक्षम बनाया जाएगा। APNIC 62 के दौरान तकनीकी सत्र, ट्यूटोरियल, पैनल चर्चा और समुदाय आधारित चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें इंटरनेट संचालन, नेटवर्क सुरक्षा, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेट नीति और उभरती तकनीकों से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ विचार–विमर्श कर रहे हैं।

बीएसए कार्यालय पर रुम टू रीड कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अयोध्या।अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में रुम टू रीड के साथ मिलकर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक साथ पुस्तक पढ़कर पठन संस्कृति को बढ़ावा देने और पढ़ने के महत्व का संदेश दिया।इस मौके पर बीएसए लालचंद्र ने कहा कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने, समझने और सीखने की क्षमता को विकसित करने का एक सशक्त साधन हैं।कहा कि सभी मिलकर पढ़ने को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और हर बच्चे, हर परिवार और हर समुदाय तक पढ़ने की संस्कृति को पहुंचाएं।इस मौके पर बीएसए लाल चन्द्र के अलावा रूम टू रीड के जिला संयोजक धीरेन्द्र मिश्र,एस आर जी अमित कुमार मिश्र और ई सी सी ई उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति को साइबर क्राइम पुलिस ने वापस दिलाए 1.64 लाख रुपये

अयोध्या।साइबर अपराध के खिलाफ अयोध्या पुलिस की कार्रवाई में एक पीड़ित को बड़ी राहत मिली है।साइबर अपराधियों ने मोबाइल हैक कर पीड़ित के साथ 1,64,008 रुपये की साइबर ठगी कर ली थी।शिकायत मिलने के बाद थाना साइबर क्राइम पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि पीड़ित को वापस करा दी। इस संबंध में साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद ने बताया कि इस मामले में थाना साइबर क्राइम पर पीड़ित के साथ हुई साइबर ठगी की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराते हुए पुलिस ने संबंधित बैंकधवित्तीय संस्थानों से तत्काल पत्राचार और समन्वय स्थापित किया।बताया कि बुधवार को 1,64,008 रुपये की पूरी धनराशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। धनराशि वापस कराने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना साइबर क्राइम मो. अरशद के अलावा उपनिरीक्षक रियाजुर रहमान, ज तथा हेड कांस्टेबल राजकुमार गौड़ शामिल रहे।

गांधी जयंती पर भव्य समारोह करेगा तैलिय साहू राठौर महासभा

भदोही, (संवाददाता)। भारतीय तैलिय साहू राठौर महासभा के युवा इकाई की बैठक रविवार की देर शाम नईबाजार स्थित श्री गोपाल विद्या मंदिर में हुई। इसमें संगठन की मजबूती सहित आगामी गांधी जयंती समारोह के आयोजन को लेकर विमर्श किया गया। निर्णय लिया कि आगामी 2 अक्टूबर को गांधी जयंती समारोह का आयोजन इसी परिसर में किया जाएगा। समारोह में समाज के लोगों की सहभागिता बढ़ाई जाएगी। वहीं कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई। जिलाध्यक्ष सुभाष चन्द्र गुप्ता ने कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने की जरूरत है। साथ ही समाज के लोगों से आपसी एकजुटता बनाए रखने और संगठन को मजबूत बनाया जाएगा। मजबूत संगठन के माध्यम से समाज के लोगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। इस दौरान सुरेश चंद्र साहू, अमित कुमार साहू, सतीश गांधी, नंदलाल गुप्ता, छेदीलाल साहू, राजकुमार गुप्ता, शिव शंकर गुप्ता, अजीत कुमार गुप्ता, विनोद कुमार साहू आदि रहे।

अयोध्या में 37 स्वास्थ्य केंद्रों पर लगे आरोग्य मेले मे 2110 लोगों ने कराया इलाज

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जनपद की 37 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों को जांच, उपचार और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ ने मरीजों की जांच कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं उपचार प्रदान किया।मेले में 65 चिकित्सकों और 187 पैरामेडिकल स्टाफ ने अपनी सेवाएं दीं। कुल 2110 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया, जिसमें 1023 पुरुष, 941 महिलाएं और 146 बच्चे शामिल रहे। वहीं 39 आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए गए तथा 41 लोगों की आभा आईडी तैयार की गई। स्वास्थ्य मेले में

आंखों से संबंधित 209, बुखार के 254, सांस संबंधी 121, पेट संबंधी 208, शुगर के 154, चर्म रोग के 161 तथा उच्च रक्तचाप के 64 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इसके अलावा 23 टीबी संदिग्ध मरीज चिन्हित किए गए, 31 एनीमिया, 132 गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच तथा तीन कुपोषित बच्चों की पहचान की गई। 38 मरीजों को बेहतर उपचार के लिए रेफर किया गया।वहीं स्वास्थ्य मेले में 23 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाया गया। हेल्प डेस्क पर 200 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई। कोविड जांच में कोई पॉजिटिव मामला सामने नहीं आया।स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है

आग से जलने वाली विवाहिता महिला प्रियंका की इलाज के दौरान मृत्यु

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के बरवा गांव में 2 दिन पहले एक विवाहिता लगभग 28 वर्षीय प्रियंका यादव जल गई थी जिसकी की इलाज के दौरान मंगलवार की रात्रि मृत्यु हो गई।जिनका शव पोस्टमार्टम उपरांत लखनऊ से अयोध्या के पूराकलंदर थाना के बरवा के लिए रवाना हो गया है।जो देर रात्रि पूराकलंदर के बरवा पहुंचेगा प्रियंका यादव उम्र लगभग 28 वर्ष का विवाह राहुल यादव पुत्र स्वर्गीय राम जन्म यादव निवासी बरवा के साथ हुआ था जिनके एक 7 वर्ष का लड़का और एक छोटी लड़की है पारिवारिक कलह के चलते प्रियंका यादव की घर में अज्ञात कारणों से जलने की सूचना आई जिन्हें आनन फानन में अस्पताल भिजवाया गया जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है वही मामले में प्रियंका के मायके वाले में पति राहुल यादव जेठानी पूनम और सास चन्द्रावती पर उत्पीड़न दहेज और मारने के प्रयास में मुकदमा लिखवा दिया वही मंगलवार की रात्रि विवाहिता प्रियंका यादव की इलाज के दौरान लखनऊ में मृत्यु हो गई।सूचना मिलते ही गांव में और मायके वाले में कोहराम मच हुआ लोगो का रो रो बुरा हाल हो गया।बुधवार को देर समय बाद प्रियंका का पोस्टमार्टम लखनऊ में हुआ और शव अंतिम संस्कार के लिए पुराकालंदर थाना क्षेत्र के बरवा गांव के लिए रवाना हुआ।पूराकालंदर थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ने बताया मामले में पहले से रिपोर्ट दर्ज है धाराएं परिवर्तित होगी आवश्यक विधिक अग्रिम कार्यवाही की जाएगी

आयुक्त की अध्यक्षता में दीपोत्सव मेला–2026 की बैठक 10 सितम्बर को

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। दीपोत्सव मेला–2026 तथा परिक्रमाध्कार्तिक पूर्णिमा मेला की तैयारी के दृष्टिगत आयुक्त अयोध्या मण्डल राजेश कुमार की अध्यक्षता में दिनांक 10 सितम्बर 2026 को अपरान्ह 3:30 बजे आयुक्त कार्यालय स्थित सभागार में बैठक आयोजित की गई है।बैठक में दीपोत्सव मेला की व्यवस्था से सम्बंधित तैयारियों एवं अद्यावधिक सूचनाओं एवं विभागीय तैयारी की प्रति के साथ समय से उपस्थित हों। कि अपने–अपने विभाग से सम्बंधित कराये जाने वाले कार्यो की कार्ययोजना की प्रति के साथ बैठक में उपस्थित हों।उक्त जानकारी योगानन्द पांडेय, अपर जिलाधिकारीध्मेलाधिकारी अयोध्या ने दी है।

मिशन शक्ति के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने किया जागरूक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत बुधवार को महिला थाना पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सरकारी योजनाओं और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया।इस मौके पर महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के निर्देश पर महिला उपनिरीक्षक सोनी ने महिला पीआरडी कर्मियों मनवाती एवं सुशीला के साथ जिला अस्पताल, महिला जिला अस्पताल, रिकाबगंज चौराहा तथा आसपास के क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।महिला पुलिस टीम ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में भी जागरूक करते हुए बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने के लिए आगे आने की अपील की। साथ ही महिलाओं को महिला अपराधों के प्रति

सजग रहने तथा किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल पुलिस एवं संबंधित विभाग से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।महिला पुलिस कर्मियों ने बताया कि जरूरत पड़ने पर विमेन पावर लाइन 1090, यूपी–112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत अथवा सहायता प्राप्त की जा सकती है।अभियान के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से अपील की कि वे अपने अधिकारों और सुरक्षा संबंधी सुविधाओं की जानकारी रखें तथा किसी भी अपराध या उत्पीड़न की स्थिति में चुप न रहें बल्कि तत्काल सहायता के लिए संबंधित हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

नवरात्र और दिवाली में महंगा हो सकता है ड्राई फ्रूट

गोरखपुर, (संवाददाता)। नवरात्र और दिवाली में इस बार लोगों को ड्राई फ्रूट महंगा खरीदना पड़ेगा। पिछले तीन महीने में बादाम, काजू, किशमिश समेत लगभग सभी मेवों के दाम 50 से 300 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गए हैं। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही कीमतों में तेजी ने लोगों का बजट बिगाड़ दिया है। व्यापारियों के अनुसार बाजार में ड्राई फ्रूट की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही थोक बाजार में कीमतें बढ़ने से खुदरा दाम भी ऊपर चले गए हैं। सबसे ज्यादा असर काजू और बादाम की कीमतों पर पड़ा है। किशमिश, अखरोट और पिस्ता के दाम में भी बढ़ोतरी हुई है। व्यापारी रजत जायसवाल का कहना है कि थोक में बादाम 1060 रुपये किलो बिक रहा जो तीन महीना पहले 860 रुपये किलो था। वहीं, पिस्ता 1,500 रुपये किलो है इसका दाम 300 रुपये बढ़ा हुआ है। वहीं काजू इस समय 840 रुपये किलो है। वहीं अन्य ड्राई फ्रूट्स भी महंगा हो गए हैं। फुटकर व्यापारी शिवम कुमार का कहना है कि नवरात्र से लेकर दिवाली तक ड्राई फ्रूट की मांग और बढ़ेगी। ऐसे में कीमतों में तत्काल राहत मिलने की उम्मीद कम है। त्योहारों पर मेवे खरीदने वाले लोगों को इस बार पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ेगा।

हवा साफ करने के दावे हवा-हवाई, गोरखपुर 17 पायदान लुढ़का

गोरखपुर, (संवाददाता)। शहर की हवा सुधारने के लिए योजनाएं और संसाधन लगाने का दावा करने वाले नगर निगम के सामने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण–2026 ने आईना रख दिया है। तीन से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में गोरखपुर पांचवें स्थान से सीधे 22वें पायदान पर पहुंच गया। शहर को महज 170 अंक मिले। एक साल में 17 पायदान की यह गिरावट बताती है कि प्रदूषण नियंत्रण के दावों और जमीन पर उनके असर के बीच बड़ा अंतर है। नगर निगम सड़क की धूल नियंत्रित करने, कचरा प्रबंधन सुधारने, हरित क्षेत्र बढ़ाने और यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के उपायों का दावा करता रहा है। सवाल यह है कि इन तमाम प्रयासों का असर रैंकिंग में क्यों नहीं दिखा। अगर व्यवस्थाएं प्रभावी थीं तो गोरखपुर एक साल में 17 पायदान नीचे कैसे पहुंच गया। प्रदूषण नियंत्रण के लिए शहर के अलग–अलग हिस्सों में लगाए गए एयर प्यूरीफायर भी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। कई स्थानों पर ये उपकरण बंद पड़े हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जब लगाए गए उपकरणों की नियमित निगरानी और रखरखाव तक नहीं हो पा रहा तो उनसे प्रदूषण कम करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है। शहर में सड़क की धूल प्रदूषण का बड़ा कारण है, लेकिन कई इलाकों में धूल नियंत्रण की व्यवस्था प्रभावी नजर नहीं आती। कचरा प्रबंधन और यातायात व्यवस्था की स्थिति भी पूरी तरह संतोषजनक नहीं है। दूसरी ओर नगर निगम लगातार वायु गुणवत्ता सुधारने के प्रयासों का दावा करता रहा है। रैंकिंग में आई गिरावट ने इन्हीं दावों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़ा कर दिया है। औंधे मुंह गिरी रैंकिंग में सुधार के लिए अब नए अभियान या घोषणाओं से ज्यादा जरूरी मौजूदा व्यवस्थाओं की निगरानी और जवाबदेही तय करना है। अगले सर्वेक्षण में रैंकिंग सुधारना है तो आंकड़ों से आगे निकलकर जमीन पर बदलाव दिखाना होगा। 17 पायदान की गिरावट को केवल संसाधनों की कमी का हवाला देकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। असली समस्या व्यवस्था के क्रियान्वयन और उसकी मॉनिटरिंग में है। वायु गुणवत्ता सुधारने के उपायों पर लगातार और गंभीरता से काम करना होगा। मेरा मानना है कि सबसे ज्यादा फोकस धूल नियंत्रण पर होना चाहिए। दूसरी पाली की कमजोर सफाई, कचरा प्रबंधन की खामियां और नागरिक फीडबैक में कमी सीधे नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती हैं।

बेटी बनाती थी संबंध, बाप करता था ये काम, वकील देता था साथ, थानेदार के सुसाइड में सनसनीखेज का खुलासा

गोरखपुर, (संवाददाता)। बस्ती के वाल्टरगंज के तत्कालीन थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग के सनसनीखेज नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, एक महिला ने उन्हें हनीट्रैप में फंसाकर निजी पलों का वीडियो बनाया था। इसके बाद उनसे एक करोड़ रुपये मांगे जा रहे थे। मामले में पुलिस ने महिला, उसके पिता और एक अधिवक्ता को गिरफ्तार किया है। 29 अगस्त को सूर्य प्रकाश सिंह का शव बस्ती कलेक्ट्रेट परिसर स्थित उनके सरकारी आवास में फंदे से लटका मिला था। वे मूलरूप से आजमगढ़ के

अतरौलिया थाना क्षेत्र के भीलमपुर छपरा के निवासी थे। थानेदार के मोबाइल फोन की जांच के बाद तीन आरोपियों को चिह्नित किया था। इनमें पैकोलिया के बावनपार व हालपता वाल्टरगंज के गंधार निवासी प्रियंका चौधरी, उसके पिता रामनयन चौधरी और पैकोलिया क्षेत्र के पिपरा काजी निवासी अधिवक्ता विजय प्रकाश शामिल थे। शनिवार की देर रात थानेदार के बेटे संदीप सिंह की तहरीर पर तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करके रविवार की सुबह करीब 07रू55 बजे सदर अस्पताल के पास से उन्हें गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से बोलेरो व तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। घटना का खुलासा करते हुए डीआईजी संजीव त्यागी ने बताया कि मुख्य आरोपी प्रियंका चौधरी (32) का उसके पति से 10 साल पहले से ही अलगाव हो गया है। वह मुंबई में रहकर ब्यूटी पार्लर व स्पा सेंटरों में काम करती है और पैसे वाले व्यक्तियों को अपने शारीरिक मोह जाल में फंसाकर उनका वीडियो–ऑडियो बनाकर उन्हें हनीट्रैप के जरिये वाटस्एपध्वीडियो कॉल करके व चौटिंग करके ब्लैकमेल करती है। इसके जरिये उनसे पैसे की डिमांड की जाती थी। जाल में फंसाए हुए ग्राहकों को वीडियो कॉल पर अपने हाथ की नस काटकर खून निकलता हुआ दिखाकर भावनात्मक रूप से भयभीत किया जाता था और मोटी रकम मांगी जाती थी। इस काम में उसका पिता रामनयन और अधिवक्ता विजय प्रकाश यादव साथ देता था। हनीट्रैप में फंसाए गए व्यक्तियों से वसूली करने में अधिवक्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था, जिसमें से उसे भी हिस्सा मिलता था। मकान मालिक समेत तीन अन्य को बनाया था शिकार पुलिस के अनुसार आरोपी प्रियंका और रामनयन वाल्टरगंज निवासी डॉ. उमेश के घर में किराये पर रहते थे। दोनों ने मिलकर उन्हें भी शिकार बनाया और चार लाख रुपये ऐंठ लिए। इसके अलावा अपने चालक अहमद रजा से पांच लाख और मध्य प्रदेश निवासी आर्यन दीक्षित उर्फ जितेंद्र दीक्षित से 15 लाख रुपये भी ब्लैकमेल करके लिए गए।

मुट्ठीगंज में खूनी संघर्ष, लगातार दूसरे दिन मारपीट पथराव

प्रयागराज, (संवाददाता)। मुट्ठीगंज थाना क्षेत्र में शनिवार की रात पहले मटकी फोड़ प्रतियोगता के दौरान हुए झगड़े को लेकर दो गुट रविवार की फिर आमने– सामने हो गए। इस बार विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। 24 घंटे के भीतर रविवार को लगातार दूसरी बार जमकर बवाल हुआ। यहां दोनों तरफ से लाठी–डंडों के साथ ही जमकर ईंट–पत्थर भी चले। इसमें दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। यह घटना रामभवन चौराहे के पास हुई। घायल दोनों युवकों में विशाल अग्रहरि (35) और नितेश केसरवानी (30) शामिल हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।